



Tel: 0294-2470837 (O), 2471056 (Fax);, email: ctaedean@gmail.com
COLLEGE OF TECHNOLOGY AND ENGINEERING
MaharanaPratap University of Agriculture and Technology
UDAIPUR – 313001 (India)

Dr. S.S. Rathore
Professor & Dean

No.CTAE/Hackathon-17/Gen./2016/.....
Dated: 29.12.2016

प्रेस विज्ञप्ति

एक दिवसीय स्मार्ट इंडिया हेकाथॉन पर जागरूकता कार्यशाला

उदयपुर ! दिसम्बर 29, 2016 महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय तकनीकी परिषद् (एआईसीटीई), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय(सीटीईई), उदयपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में एक दिवसीय स्मार्ट इंडिया हेकाथॉन पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एआईसीटीई नई दिल्ली के चेयरमेन प्रोफेसर अनिल दत्तात्रेय सहस्त्रबुद्धे कार्यशाला की अध्यक्षता की। प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने परिषद् की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया तथा हेकाथॉन – 2017 अभियान में इंजीनियरिंग की समस्त ब्रान्चों की भागीदारी पर बल दिया। तथा कहा कि आने वाले 6 वर्षों में भारत विश्व की डिजिटल पावर के रूप में जाना जायेगा। उन्होंने शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता पर बल दिया तथा परिषद् की विभिन्न योजनाओं में शामिल होने का आवाहन किया। प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने शिक्षा व शोध में आर्कषित करने हेतु कहा कि विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को रोजगार की गारंटी प्रदान करें जिससे शोध छात्र-छात्राएं अपना सम्पूर्ण ध्यान शोध पर लगायें जिससे विश्वविद्यालय एवं देश को लाभ होगा। शोध छात्रों को परिषद् की ओर से वित्तीय सहायता भी प्रदान की जायेगी।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. उमाशंकर शर्मा, कुलपति एमपीयुएटी न कार्यशाला की उपादेयता पर बल दिया तथा कहा कि इस तरह के अभियान में कृषि एवं ग्रामीण समस्याओं को सम्मिलित करने हेतु ध्यान आर्कषित किया। प्रो. शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेती के लिए जल संरक्षण एवं पानी के भराव पर विशेष ध्यान देने पर देने की जरूरत है।

आयोजन सचिव हेकाथॉन-2017 डॉ. अभय जेरे, ने हेकाथॉन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी तथा कहा कि भारत देश को एक डिजिटल देश बनाना है। डॉ. जेरे ने कहा कि इस समय देश में करीब 6500 इंजीनियरिंग एवं तकनीकी महाविद्यालय हैं तथा इनमें 30 लाख विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। परन्तु देश को इसका सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल

रहा है। हमें इस और अग्रसर होना हेकाथॉन –2017 भारत सरकार की डिजीटिल इंडिया अभियान का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत सरकारी मंत्रालयों एवं विभागों की पॉच सो से अधिक प्रोब्लेम स्टेटमेंटस् विकसित किये गये हैं। इन प्रोब्लेम स्टेटमेंटस् को भारत के समस्त इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं द्वारा डिजीटिल सॉल्यूशन प्रदान किया जायेगा। प्रत्येक महाविद्यालय से छः-छः छात्रों की तीन टीमों हिस्सा ले सकेंगी। राष्ट्रीय स्तर के इस अभियान में प्रत्येक टीम 36 घंटों तक लगातार कार्य करेगी एवं डिजीटिल सॉल्यूशन प्रस्तुत करेगी। इस योजना अंतर्गत विभिन्न चयनित टीमों को वित्तीय पारितोषिक भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जायेगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. राठौड़ प्रकाश डाला। डॉ. राठौड़ ने बताया कि इस अभियान से खनन, सेनीटेशन, वाटर मेनेजमेंट, सुरक्षित पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो सकता हो सकता है। इसके अलावा डॉ. राठौड़ ने महाविद्यालय द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

डॉ. बी.एल. रामा, निदेशक(पीएपीबी) एआईसीटीई नई दिल्ली, ने भी वर्तमान में कार्यरत परिषद् की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्र-छात्राएँ अधिक से अधिक वित्तीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. आर.एस. राठौड़, क्षेत्रीय अधिकारी, एआईसीटीई, चण्डीगढ़, भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यशाला में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुनील जोशी, ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा इस एक दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताया। कार्यशाला में उदयपुर शहर के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राचार्य, प्राध्यापक व विद्यार्थियों ने भी इसमें अपनी भागीदारी निभाई। कार्यशाला के समापन में स्थानीय समन्वयक डॉ. एम.ए. सलोदा ने सभी को ध्यानवाद् ज्ञापित किया।

(डॉ. एस.एस. राठौड़)

अधिष्ठाता

श्रीमान् संपादक.....



